तीसरे रत्नभंडार में होने चाहिए 46 मुकुट, लेकिन हैं 36

रत्नभंडार है काफी रहस्यमय : श्रीमंदिर के पूर्व प्रशासक

भुवनेश्वर, (निप्र) : गजपति महाराजा ने बांग्लादेश से लेकर कावेरी तक विजय प्राप्त की। उस समय गजपति महाराजा ने 46 साम्राज्यों पर विजय प्राप्त की थी। उस गणना के अनुसार रत्नभंडार में 46 मुकुट होने चाहिए, लेकिन पूर्व श्रीमंदिर प्रशासक रवींद्र नारायण के जानकारी के अनुसार तीसरे रत्नभंडार में 36 मुकुट हैं। यह जानकारी विशिष्ट इतिहासकार डा सुरेंद्र मिश्र ने दी। हालांकि, सुरेंद्र मिश्र ने कहा कि रवींद्र नारायण मिश्र को 12 मुकुटों के बारे में जानकारी नहीं थी। ज्ञात हो कि 46 साल बाद महाप्रभु का रत्नभंडार खोला गया है। इस बारे में इतिहासकार मिश्र ने कहा, रत्नभंडार के अंदर जो 11 सदस्यीय कमेटी गए हैं, वे ही रत्नभंडार की स्थिति की जांच कर सकते है, लेकिन खजाने में क्या है इसकी सूची बनाना संभव नहीं है। क्योंकि 1978 में रत्नभंडार में हुए गिनती में 6 लोगों को 71 दिन लगे थे। उन्होंने 598 प्रकार के आभूषण सूचीबद्ध किए। मिश्र ने बताया कि जिन 598 प्रकार के रत्नों की सूची दी गयी है, वे बाहरी खजाने और दूसरे रत्नभंडार में थे। तीसरे खजाने के बारे में मिश्र ने कहा, 1985 में मंदिर के पूर्व प्रशासक रवींद्र नारायण मिश्र ने तीसरे खजाने के बारे में जानकारी दी थी। उनके अनुसार तीसरे रत्न में 34 मुकुट हैं। इसके बाद उन्होंने लिखित में जानकारी दी। जिसकी जानकारी सार्वजनिक कर दी गई। उस डेटा पर रिसर्च की गई और शोध के दौरान पता चला कि गजपति महाराजा ने बांग्लादेश से लेकर कावेरी देश तक कुल 46 साम्राज्यों पर विजय झंडा फहराई थी। उन्होंने कहा कि तो फिर 46 मुकुट होने चाहिए। लेकिन रवींद्र नारायण मिश्र ने कहा था कि रत्नभंडार में 34 मुकुट हैं। उन्होंने कहा कि बाकी 12 मुकुट के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उस वक्त उस मुकुट की रेटिंग करने की कोशिश की गई थी। इसके लिए जौहरी सदस्यों को बुलाया गया। मिश्र ने कहा कि मुकुटों का मूल्यांकन करना संभव नहीं है। मिश्र ने आगे कहा कि श्रीमंदिर के पूर्व प्रशासक रवींद्र नारायण मिश्र ने एक और महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा था कि रत्नभंडार काफी रहस्यमय है। क्योंकि मुगलों ने चार दरवाजे बंद कर श्रीमंदिर में चार महीने से ज्यादा समय तक मंदिर के अंदर रहे। उस वक्त उन्हें खजाने का स्रोत नहीं मिला। वे केवल बाहरी रत्नभंडार को ही लूटने में सक्षम थे। उस समय उन्हें भीतरी, निचली तथा ऊपरी रत्नभंडार का तनिक भी भान नहीं था। मुगलों ने जो कुछ भी लूटा था उसे ले लिया और दिल्ली दरबार में पेश किया, जिसका लिखित रिकार्ड इतिहास में है, लेकिन उन्होंने उस सूची में तीसरे और निचले रत्नों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। दूसरे रत्नभंडार के बारे में भी जानकारी नहीं दी गई है। इसलिए रविवार को गए कमेटी के सदस्य सूची के अनुसार ही दूसरे रत्न की स्थिति की जांच कर सकते हैं। मिश्र ने आगे कहा कि कम समय में काम पूरा करना संभव नहीं है। यह भी संदिग्ध है कि तीसरे रत्नभंडार को खोलने की अनुमति ली गई है या नहीं। इसलिए वे तीसरे रत्न के पास नहीं जा सकते।

अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ के बालेश्वर चैप्टर का हुआ उद्घाटन

बालेश्वर, (संवाद सूत्र) : अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (सीएआईटी) ने अपने बालेश्वर चैप्टर का उद्घाटन रविवार को किया। अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ भारत के व्यापारिक समुदाय का एक शीर्ष निकाय है। जिसमें विभिन्न राज्यों के प्रमुख व्यापार निकाय शामिल हैं और देश भर में 40 हजार से अधिक व्यापार संघों/एसोसिएशनों/चैंबरों तक इसकी पहुंच है। यह लगभग 7 करोड़ व्यापारियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। सीएआईटी 1990 में देश में व्यापार और व्यापारियों के विकास के उद्देश्य से अस्तित्व में आया और इसने पूरे देश में व्यापारियों के बीच समझ और समन्वय को शानदार ढंग से विकसित किया है। सीएआईटी व्यापारिक समुदाय की बेहतरी के उद्देश्य से विविध गतिविधियों में लगा हुआ है और व्यापारियों और सरकार के बीच एक सेतु का काम करता है। सीएआईटी का मानना है कि भारत का भविष्य छोटे व्यापारियों, लघु और मध्यम उद्योगों, कुटीर उद्योगों के विकास में निहित है और खुदरा व्यापार और मंत्रालय और आंतरिक व्यापार के लिए ऐसी राष्ट्रीय व्यापार नीति समय की जरूरत है। बालेश्वर चैप्टर का उद्घाटन सीएआईटी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बृज मोहन अग्रवाल ने किया। सीएआईटी के ओडिशा राज्य अध्यक्ष सुधाकर पंडा मुख्य अतिथि थे। बृज मोहन अग्रवाल और सुधाकर पंडा दोनों ने इस बात पर जोर दिया कि व्यापारी समुदाय को एक साथ आना चाहिए और सरकार के साथ अपने मुद्दे साझा करने चाहिए। व्यक्तिगत रूप से समस्या का समाधान करना संभव नहीं है। उन्होंने छोटे व्यापारियों की सुरक्षा में सीएआईटी की भूमिका और बाजार में खुद को टिकाऊ बनाने के लिए बड़े कॉरपोरेट दिग्गजों के साथ उनकी लड़ाई पर चर्चा की। छोटे व्यापारी, हमारी स्थानीय दुकान, कोरोना योद्धाओं से कम नहीं थे, जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि दैनिक उपयोग की वस्तुएं प्रत्येक घर तक पहुंचें उनका मानना है कि अगर व्यापारी एकजुट हो जाएं तो सीएआईटी सरकार और व्यापारियों के बीच की खाई को पाटने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। बालेश्वर चैप्टर को अपने पहले पदाधिकारी भी मिल गए। भगवान गुप्ता को अध्यक्ष और धर्मेंद्र प्रसाद मोरे को बालेश्वर चैप्टर का सचिव नियुक्त किया गया।

करंट लगने से 10 बच्चे हुए घायल, 4 की हालत गंभीर

➲ रामायण स्टेज शो के दौरान हुआ यह हादसा

दिगपहंडी, (संवाद सूत्र) : गंजाम जिले में रामायण स्टेज शो के दौरान करंट लगने से 10 बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में शंभु विश्वाल, आकाश दास, रुद्र प्रधान, गणेश प्रधान, चंदन विश्वाल और एस दास शामिल हैं, बाकी अन्य घायलों का पता नहीं चल पाया है। सूत्रों के अनुसार, जिले के दिगपहंडी तहसील के फासीगुडा गांव में रामायण स्टेज शो का आयोजन किया गया था। गांव के लोगों ने गांव के मंदिर के उद्घाटन के मद्देनजर इस शो का आयोजन किया था। कार्यक्रम के दौरान स्टेज के पास के इलाके के कुछ हिस्से में करंट फैल गया। जिसके बाद कम से कम 10 बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गये। इन सभी की उम्र 7 से 12 साल के बीच है और इन्हें इलाज के लिए दिगपहंडी अस्पताल ले जाया गया है। इनमें से चार की हालत बिगड़ने पर उन्हें एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खबर लिखे जाने तक यह पता नहीं चल पाया था कि करंट किन परिस्थितियों में लगा।

श्री अग्रसेन भवन में एक दिवसीय सावन मेला का हुआ आयोजन

भद्रक, (संवाद सूत्र) : अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन मारवाड़ी समाज का एक महत्वपूर्ण अंग है। यह समाज की उन्नति और उत्थान के लिए समर्पित है। इसी कड़ी में मारवाड़ी महिला समिति भद्रक शाखा द्वारा रविवार 14 जुलाई को चरम्पा स्थित महाराजा श्री अग्रसेन भवन में एक दिवसीय सावन मेला का आयोजन किया गया। इसमें राज्य के विभिन्न स्थानों जैसे कटक, भुवनेश्वर, जाजपुर और कलकत्ता, जयपुर, टाटानगर, बनारस से व्यवसायी पहली बार भद्रक आए हैं। ये व्यापारी नये डिजाइन के आभूषण, साड़ी, सूट, बैग, जूते, चप्पल, गिफ्ट आइटम, राखियां आदि के स्टॉल लगाये है। इन स्टॉलों में बच्चों के लिए खेल और मनोरंजन की भी व्यवस्था की गई है। इतना ही नहीं, स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेने का भी भरपूर व्यवस्था किया गया है। इस दिन आये सभी लोगों के लिए लकी ड्रा विशेष आकर्षण रहा। यह ड्रा शाम को निकाला गया और भाग्यशाली विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान मारवाड़ी महिला समिति की शाखा अध्यक्ष अंजू डिडवानिया ने सभी स्थानीय एवं बाहर से आये व्यापारियों का आभार व्यक्त करते हुए उनका अभिनंदन किया। शाखा सचिव सुनीता गुप्ता ने सभी कार्यकर्ताओं के साथ-साथ समय निकालकर आये सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

टीपीएनओडीएल ने मानसून के लिए व्यापक सुरक्षा अभियान चलाया

बालेश्वर, (संवाद सूत्र) : मानसून की तैयारी के लिए अपने अभियान के तहत, टाटा पावर और ओडिशा सरकार के बीच संयुक्त उद्यम टीपी नॉर्दर्न ओडिशा डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीएनओडीएल) ने अपने लाभार्थियों और कर्मचारियों के लिए विभिन्न सुरक्षा उपायों की घोषणा की है। इसके साथ ही मानसून के मौसम में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कई कारगर कदम उठाए हैं। कंपनी ने अपने ग्राहकों से जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने और सुरक्षा मानदंडों का पालन करने का आग्रह किया है। इसके साथ ही लाभार्थियों से अनुरोध किया गया है कि मीटर केबिन लीकेज के मामले में मुख्य स्विच बंद कर दें, लाइसेंसधारी विद्युत ठेकेदार द्वारा वायरिंग में किसी भी संभावित दोष की उचित जांच करें और ओवरलोडिंग और गीले हाथों से विद्युत प्रतिष्ठानों को छूने से बचें। टीपीएनओडीएल ने लाभार्थियों से कंपनी द्वारा जारी किए गए टोल-फ्री कस्टमर केयर नंबर का उपयोग करके बिजली के खंभों और स्ट्रीट लाइटों पर किसी भी तरह की स्पार्किंग की घटना की सूचना देने का आग्रह किया है। कंपनी ने त्वरित समाधान सुनिश्चित करने और दुर्भाग्यपूर्ण विद्युत दुर्घटनाओं से बचने के लिए अपनी ग्राहक सेवा में बड़े पैमाने पर परिवर्तन लाया है। उपभोक्ताओं से अपील है कि वे किसी भी अप्रत्याशित स्थिति के समय सभी प्रकार की सहायता प्राप्त करने के लिए टोल-फ्री नंबर 1800-3456718/1912 पर डायल करें। टीपीएनओडीएल ने अपने प्रयासों को दोगुना कर दिया है और पिछले कुछ वर्षों में मानसून के मौसम में संभावित प्रतिकूलताओं के लिए खुद को तैयार रखने के लिए कई क्रांतिकारी पहल की हैं। इसने अपने लाभार्थियों को विश्वसनीय बिजली आपूर्ति प्रदान करने के लिए बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, परिचालन क्षमता बढ़ाने या जमीन पर अधिक मानव संसाधन तैनात करने पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित किया है।

आकाशीय बिजली गिरने से एक की मौत, दूसरा घायल

जाजपुर, (संवाद सूत्र) : जाजपुर जिले में रविवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की मौत हो गई और उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान उत्कल ओझा के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार, जिले के बड़ाचणा बैरी थाना अंतर्गत सोलर गांव के दो भाई उत्कल और विक्रम अपने खेत में काम करने गए थे। जब वे खेत में काम कर रहे थे, तभी इलाके में तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हुई। वह कुछ समझ पाते तभी जोरों से बिजली चमकी और आकाशीय बिजली उन पर गिर पड़ी और वे खेत में बेहोश हो गए। कुछ देर बाद जब आंधी थम गई, तो ग्रामीणों ने दोनों भाइयों को बेहोश देखा और उन्हें बड़ाचणा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए। जहां डॉक्टरों ने उत्कल को मृत घोषित कर दिया और उसके भाई विक्रम का इलाज शुरू कर दिया। सूत्रों ने बताया कि विक्रम की हालत बिगड़ने पर उसे कटक के एससीबी में स्थानांतरित कर दिया गया है।

विधायक व सांसद ने आठ पंचायतों को मिलाकर नया प्रखंड बनाने का किया वादा

ब्राह्मणीगांव, (संवाद सूत्र) : दारिंगबाड़ी प्रखंड युवा कांग्रेस ने जी उदयगिरि विधानसभा क्षेत्र के नये विधायक प्रफुल्ल चंद्र प्रधान का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रखंड के विभिन्न पंचायतों से अपने-अपने क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए ज्ञापन सौंपा गया। इनमें से आठ पंचायत क्रमश: ब्राह्मणीगांव, सरामुली, ताजुंगिया, हातीमुंडा, गदापुर, कुंभारीगांव, जिंजिरीगुड़ा और कार्टिंगिया पंचायत को लेकर एक नया प्रखंड बनाने की मांग की गई है। इसके अलावा मांग पत्र में ब्राह्मणीगांव में पीने के पानी की समस्या को दूर करने के लिए मेगा प्रोजेक्ट के माध्यम से कार्य करने, बीएसएनएल कंपनी की इंटरनेट सेवा का स्थायी समाधान करने और ब्राह्मणीगांव मेडिकल सेंटर में प्रसूति वार्ड में डॉक्टर की नियुक्ति करने की मांग की गई है। मांग पत्र मिलने के बाद उन्होंने आम लोगों से वादा किया कि वह ब्राह्मणीगांव क्षेत्र पर विशेष ध्यान देते हुए ब्लॉक बनाने का प्रस्ताव राज्य सरकार को जरूर सौंपेंगे। इससे पहले कंधमाल के सांसद सुकांत पाणिग्राही के दारिंगबाड़ी के दो दिवसीय दौरे पर भी ज्ञापन सौंपा गया था। सांसद ने मुख्यमंत्री के साथ चर्चा कर केंद्र सरकार के पास उक्त प्रस्ताव पेश करने का वादा किया। सांसद व विधायक दोनों से आश्वासन मिलने के बाद क्षेत्रवासियों को उम्मीद जगी है कि अब उनका लंबा इंतजार खत्म होगा।

आईआईएसईआर ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय ने ली हरित शपथ

ब्रह्मपुर, (संवाद सूत्र) : गंजाम के दो प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों मेजर एडुकेशनल इंस्टीट्यूशंस-भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) और ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय ने इस वर्ष अपने परिसरों में हजारों पौधे लगाने की प्रतिबद्धता जताते हुए हरित शपथ ली है। आईआईएसईआर के निदेशक अशोक कुमार गांगुली ने कहा कि संस्थान के परिसर में 70 एकड़ प्राकृतिक वन है और हरित क्षेत्र को चरणों में बढ़ाकर 130 एकड़ किया जाएगा। ब्रह्मपुर शहर से करीब 10 किलोमीटर दूर लौदीगांव में स्थित यह संस्थान 200 एकड़ भूमि पर फैला हुआ है। जुलाई के पहले सप्ताह में ओडिशा पर्यावरण सोसायटी (ओईएस) के सहयोग से वन महोत्सव के दौरान संस्थान के छात्रों और शिक्षकों से परिसर में कम से कम एक पौधा लगाने को कहा गया था। इस वर्ष करीब 1,000 छात्र, 50 शिक्षक और 130 गैर-शिक्षण कर्मचारी परिसर के अंदर कम से कम एक पौधा लगाएंगे। पिछले साल हमने करीब 5,000 पौधे लगाए थे और इस साल हम 10,000 पौधे लगाने की योजना बना रहे हैं। हमने इस साल का पौधारोपण कार्यक्रम ट्री प्लांटेशन प्रोग्राम पहले ही शुरू कर दिया है। गांगुली ने कहा कि अगले पांच सालों में हम परिसर में 50,000 से ज्यादा पेड़ लगाएंगे। ओईएस के अध्यक्ष प्रोफेसर एस एन पात्रा ने कहा कि सोसायटी इस साल संस्थान को पौधारोपण का लक्ष्य हासिल करने में मदद करेगी। इसी तरह ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय ने लुप्तप्राय पौधों की प्रजातियों को संरक्षित करने और औषधीय पौधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपने परिसर में दो उद्यान स्थापित करने का फैसला किया है। कुलपति गीतांजलि दाश ने कहा कि विशेष उद्यानों का प्राथमिक उद्देश्य लुप्तप्राय पौधों की प्रजातियों की रक्षा करना और वनस्पति विज्ञान में शोध के लिए, औषधीय पौधों की खेती करना है। उन्होंने उद्यानों के छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए शैक्षिक लाभों पर जोर दिया, जिन्हें विभिन्न प्रकार की पौधों की प्रजातियों तक पहुंच प्राप्त होगी। वनस्पति विज्ञान के सहायक प्रोफेसर पद्मलोचन हेम्ब्रम ने कहा कि प्रस्तावित उद्यान लगभग एक एकड़ में बनेंगे।

अटल मेमोरियल ट्रस्ट एवं पीपीए ने राज्य के उद्योग मंत्री एवं सांसद का किया अभिनंदन

पारादीप, (संवाद सूत्र) : स्थानीय जयदेव सदन परिसर में रविवार को अटल मेमोरियल ट्रस्ट (एएमटी) एवं पारादीप पोर्ट अथॉरिटी (पीपीए) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित समारोह में पारादीप के विधायक एवं ओडिशा सरकार के उद्योग, कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री संपद चंद्र स्वाई एवं जगतसिंहपुर के सांसद बिभु प्रसाद तराई का अभिनंदन किया गया। इनका अभिनंदन पीपीए के अध्यक्ष पी.एल.हरनाध ने गुलदस्ता, शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंटकर किया। इस दौरान सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े व्यक्तियों ने मंत्री एवं सांसद का अभिनंदन किया। इस अवसर पर मंत्री संपद स्वाई ने कहा कि केंद्र एवं राज्य दोनों जगह पर भाजपा की डबल इंजन सरकार होने के कारण पारादीप पोर्ट एवं इसके आसपास के लोगों का सामूहिक विकास संभव होने जा रहा है और इसके लिए पहल शुरू कर दी गई है। पारादीप पोर्ट के चेयरमैन हरनाध ने मंत्री संपद स्वाई और सांसद बिभु प्रसाद तराई को बधाई दी और कहा कि पारादीप पोर्ट ने व्यापार के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित कर देश में नंबर वन पोर्ट का दर्जा हासिल किया है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य के उद्योग मंत्री और सांसद के सहयोग से पारादीप पोर्ट आगे भी विकास करेगा और नई उपलब्धियां हासिल करेगा। कार्यक्रम में अन्य गणमान्य लोगों के अलावा, सुब्रत प्रधान, पार्षद और भाजपा, पारादीप इकाई के अध्यक्ष, गौतम नायक, कार्यकारी अध्यक्ष, अटल मेमोरियल ट्रस्ट, सरवेश्वर बलियारसिंह, महासचिव, एएमटी, प्रताप चंद्र नायक, पार्षद, पारादीप नगरपालिका आदि मंच पर उपस्थित थे।

ओडिशा गांधी विचार परिषद की ओर से नीलाद्रि बिहारी मिश्रा की स्मृति में सभा आयोजित

केंदुझर, (संवाद सूत्र) : राज्य के प्रमुख शोधकर्ता तथा केंदुझर के पुत्र नीलाद्रि बिहारी मिश्र की एकदशाह पर एक स्मृति सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कहा गया कि नीलाद्रि एक सच्चे आदिवासी शोधकर्ता हैं और उन्होंने अज्ञात को सामने लाने में विशेष योगदान दिया है। इसके साथ ही उनका केंदुझर के मुद्दे को जनता के सामने लाने में अहम योगदान है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने जुआंग जनजाति पर कई उपयोगी और शोध उपयोगी पुस्तकें लिखी हैं। वह पर्यावरण जागरुकता के एक सफल रचनाकार थे। प्रोफेसर सुधा दास ने ओडिशा गांधी विचार संगठन के अध्यक्ष भक्ति वत्सल मोहंती की अध्यक्षता में स्मृति सभा का संयोजन किया। पद्मश्री दमयंती बेश्रा, डॉ बिंबाधर बेहरा, काका श्यामसुंदर मिश्र, मिलन साहित्यिक संसद की अध्यक्ष देवाशिष चक्रवर्ती, शोधकर्ता डॉ सुनील रथ, आस्कर सचिव धरित्री राउत, वकील गोपाल कृष्ण मिश्र, निमायु चरण दाश, डंबुधर महंत समेत कई लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। रविवार को आयोजित स्मृति सभा में समाज के विभिन्न वर्ग के लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.: MCSW-RAILNET-24-25-17 दिनांक: 04.07.2024

कार्य का नाम: कैरिज रिपेयर वर्कशॉप, मंचेश्वर में 40 अतिरिक्त रेलनेट कनेक्शन की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग।

विज्ञापित मूल्य: ₹ 3,45,266/-, ईएमडी: ₹ 6,900/-

पूर्णता अवधि: 3 (तीन) माह

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 29.07.2024 को 1500 बजे

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित पूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

PR-298/P/24-25 उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (उत्पा.), मंचेश्वर

MCL महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड

(कोल इंडिया लिमिटेड की एक अनुषंगी कंपनी)

जागृति विहार, बुर्ला- 768020, जिला-सम्बलपुर (ओडिशा)

दूरभाष (ईपीबीएक्स): 0663-2542461 से 469 वेबसाइट: www.mahanadicoal.in

सूचना

"सामग्री, कार्यों एवं सेवाओं के खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कम्पनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट www.coalindia.in/सम्बंधित अनुषंगी कम्पनी (एमसीएल, www.mahanadicoal.in), सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, जीईएम पोर्टल https://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीद की जाती है।"

R-5214